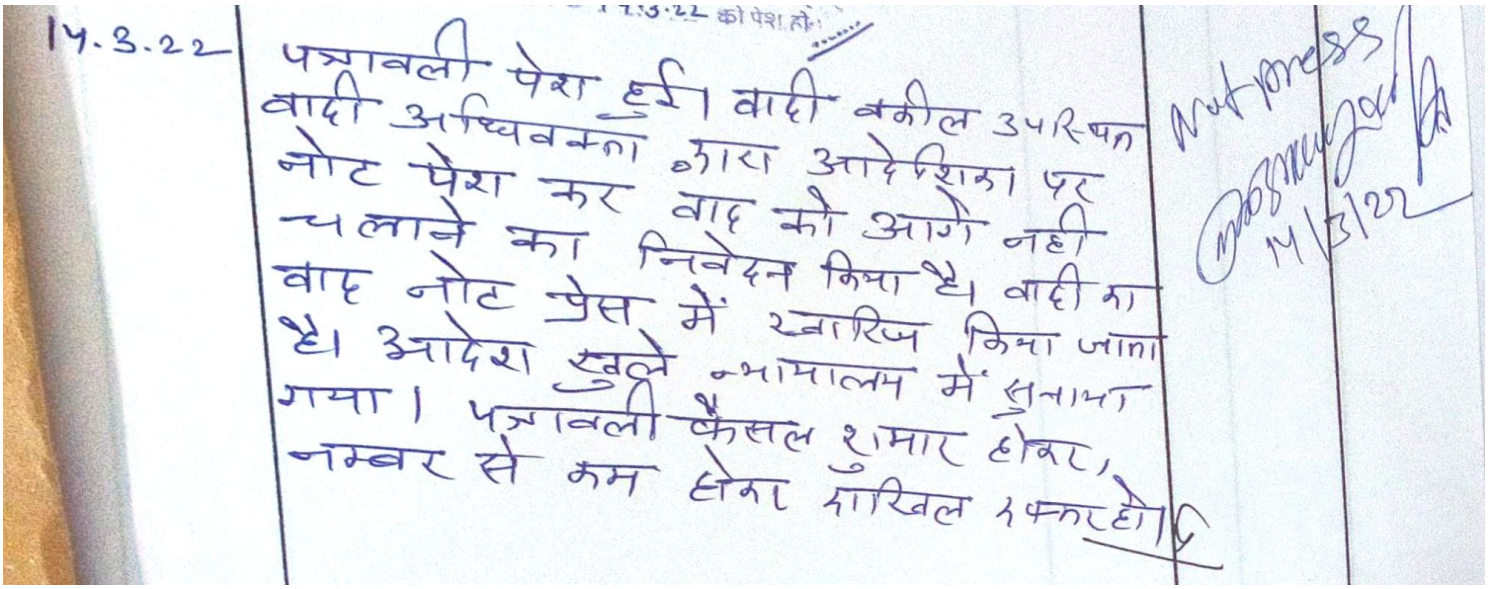

14.3.22 को पेश हो

14.3.22	पत्रावली पेश हुई। वादी वकील उपस्थित वादी अधिवक्ता द्वारा आदेशिका पर नोट पेश कर वाद को आगे नहीं चलाने का निवेदन किया है। वादी का वाद नोट प्रेस में खारिज किया जाता है। आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर, नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।	Not press 14/3/22

Signature Not Verified

Digitally signed by Prakash Chandra Regar
Date: 2022.05.13 14:37:23 IST
Reason: SelfAttested